कला एवं शिल्प महाविद्यालय
पटना विश्वविद्यालय, पटना

ई–कंटेंट – बी.एफ.ए. 7 सेमेस्टर
डॉ0 राखी कुमारी
सहायक प्राध्यापिका (छापाकला)

युनीट–5

आर0 एन0 पालानीअप्पन

आर0 एन0 पालानीअप्पन का नाम सर्वश्रेष्ठ छापाकारों मे बहुत आदर के साथ लिया जाता है। इनका जन्म देवकोटई (Devakottai) तमिलनाडु में 1557 में हुआ था। उन्होनें कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट चेन्नई से स्नात्तक की डिग्री इन्डस्ट्रीयल डिजाइन में प्राप्त की। उन्होंने tamarind Institute USA से 1991 में लीथोग्राफी में एडभान्स स्टडी की। 1996 में आर्टिस्ट–इन–रेसीडेन्सी ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी लन्दन से की।

पालानीउप्पन जी को विज्ञान और मनोविज्ञान से वेहद लगाव था परन्तु उन्होंने कला के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाया। कुछ समय ललित कला अकादमी के श्रेत्रीय केन्द्र की छापाकला कार्यशाला में कलाकार कार्यभारी पद पर भी कार्यरत रहे। इनकों देश ही नहीं विदेशों के विभिन्न कला महाविद्यालयों में व्याख्यान के लिए बुलाया जाता है। ये एक कुशल छापाकार, चित्रकार के साथ एक कुशल शिक्षक भी है। इनकी कार्य की शैली अमुर्त, ज्यामितीय है। इनकी पहचान राष्ट्रीय पटल पर अलग है। 1985 मे दिल्ली की आईफैक्स द्वारा उन्हें राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित किया गया। छापाकला

माध्यम में इनकी कारीगरी अत्यन्त उत्तम है और इसी माध्यम के द्वारा वह उत्कृष्ट मूल चित्रण करने में सफल हो पाये है।

इनकी कलाकृतियाँ की एकल प्रदर्शनी देश में ही नहीं विदेशों में भी होती रहती है। इनको नेशनल आवाड से सम्मानित किया जा चुका है। इनके छापे ब्रिटीश म्युजियम लंदन, यु0 स0 लाइब्रेरी (कांग्रेस) नेशनल गैलरी ऑफ मॉर्डन आर्ट न्यु देलही एवं अन्य प्रतिष्ठीत स्थानों में संग्रहित है।

वर्तमान समय में चैन्नई में रहते है। इनका व्याख्यान कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना में भी हो चुका है। इनके छापे यहॉ भी संग्रहित है। इनके बारे में कहा जाता है कि यह नए छापाकला के लिए नई धारा के प्रवर्तक हो सकते है।